सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 156 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 13 जुलाई, 2023
मूल्य ₹ 3/-

छोटे-छोटे खर्चों से सावधान रहिये। एक छोटा सा छेद बड़े से जहाज को डूबा सकता है।
-बेंजामिन फ्रैंकलिन

ज्ञानेश्वरी ने भारोत्तोलन में उठाया सोने... 7 | महाराष्ट्र में सियासी टूट-फूट, अब... 3 | चुनाव आते ही जनता को बरगला... 2

विपक्ष ने कहा, गरीबों के घर पर बुलडोजर चलाने वाले को क्यों नहीं दिखता शालीमार का अवैध अतिक्रमण, तोड़े इसे भी सरकार

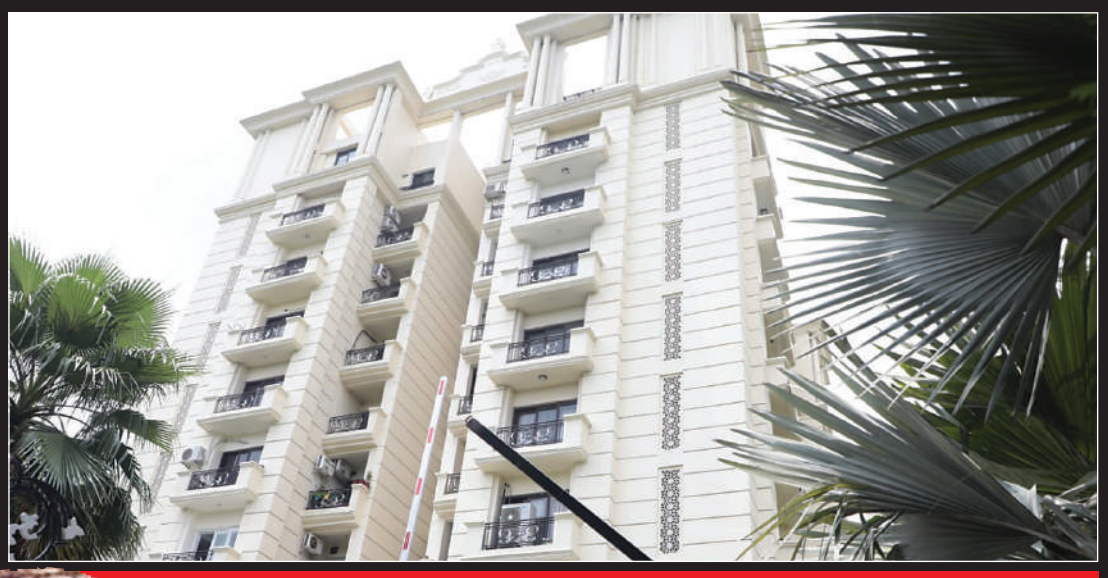

» होता रहा अवैध निर्माण अधिकारी रहे मौन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा के पूर्व सांसद संजय सेठ की कंपनी शालीमार ग्रुप द्वारा लखनऊ में अवैध निर्माण और जमीनों पर कब्जे को लेकर विपक्ष ने सरकार पर जमकर हमला बोला है। विपक्ष का कहना है कि गरीबों पर बुलडोजर चलाने वालों के हाथ भाजपा नेताओं को देखकर कांपने लगे हैं।

अगर संजय सेठ की कंपनियों के खिलाफ जांच नहीं की गई और शालीमार का अवैध अतिक्रमण नहीं तोड़ा गया तो इसके गंभीर परिणाम सरकार को झेलने होंगे कल 4PM ने शालीमार एमराल्ड के बने हुए अवैध निर्माण और करोड़ों के अवैध पेंटहाउस के संबंध में विस्तार से एक खबर छापी थी। उसमें यह खुलासा किया था कि किस तरह से शालीमार ग्रुप ने अवैध अतिक्रमण किया था इस समूह द्वारा लखनऊ कि कई बेशकीमती सरकारी जमीनों पर भी अवैध कब्जा किये जाने की बात सामने आयी थी। इस बाबत जांच भी की गई थी मगर शासन में जांच फाइलें गुम हो गयीं।

शालीमार एमराल्ड में बने हैं अवैध रूप से करोड़ों के पेंट हाउस

भाजपा के पूर्व सांसद संजय सेठ को जैसे पूरी छूट है कि आप अपनी बिल्डिंग में जितना चाहें उतना अवैध निर्माण करवा लें। एलडीए के अफसरों की हिम्मत नहीं है कि वे ऐसी किसी बिल्डिंग में अवैध निर्माण तोडना तो अलग बात है ऐसे अवैध निर्माण की तरफ वे झांक भी लें। लखनऊ के बेहद पॉश इलाके जॉपलिंग रोड पर शालीमार ग्रुप ने एक अलीशन बिल्डिंग बनायी है शालीमार एमराल्ड। इस बिल्डिंग के फ्लैटों की कीमत करोड़ों में है। इस भूखंड का क्षेत्रफल 4634. 38 वर्ग मीटर है। इसका मानचित्र परमिट संख्या-2565 के अनुसार स्वीकृति किया गया, और इसमें 9245.58 वर्ग मी. एफएआर स्वीकृत किया गया।

मामले को रफा-दफा करने की कोशिश

मामले को रफा-दफा करने के लिए शालीमार समूह ने एलडीए में विहित प्राधिकारी के यहां वाद दायर कर दिया और 11 जनवरी 2023 को शमन के लिए आवेदन भी कर दिया जिससे यह मामला ठंडे बस्ते में चला जाय, और हुआ भी यही कि मामला ठंडे बस्ते में चला गया और किसी को यह अवैध निर्माण तोड़ने का साहस नहीं हुआ।

2009 में दी गई थी स्वीकृति

यह मानचित्र दिनांक 16 फरवरी 2009 को स्वीकृति किया गया, तथा इसमें 72 फ्लैट बनाने की अनुमति दी गयी थी। जिस समय यह अनुमति दी गयी उस समय प्रदेश में मायावती की सरकार थी और शालीमार ग्रुप के पार्टनर खालिद मसूद मायावती के दाहिने हाथ नसीमुद्दीन सिद्दीकी के बेहद करीबी हुआ करते थे। लिहाजा उन्होंने नियमों को ताक पर रखकर इस भवन में चार पेंट हाउस बना डाले जबकि नशे के अनुसार इस भवन में कोई भी पेंट हाउस न तो स्वीकृत था और न ही पेंटहाउस बन सकता था। मगर, सभी लोग आंखें बंद किये रहे और शालीमार इमराल्ड में यह अवैध बिल्डिंग बनती चली गई। यह विवाद कुछ दिनों पहले शुरू हुआ जब एलडीए के एक अवर अभियंता ने संजय सेठ को इस बिल्डिंग में अवैध निर्माण को लेकर नोटिस भेज दिया और कहा कि वे तत्काल अपना स्पष्टीकरण जारी करें वरना उनका अवैध निर्माण तोड़ दिया जायेगा। चूंकि सांसद बनने के बाद संजय सेठ ने खुद को इस कंपनी से कानूनी रूप से अलग कर लिया था लिहाजा उन्होंने अशोक की लाट लगाये अपने लेटर पैड पर एलडीए को लगभग धमकाने की स्टाइल में लिख दिया कि मुझे ये नोटिस यों दिया गया जबकि मैं इस भवन का मालिक ही नहीं हूं।

“भाजपा सरकार दोहरे मानदंड अपना रही है। विपक्ष से जुड़ा कोई मामला होगा तो सरकार बिना देरी किए कार्रवाई कर देती है जबकि बीजेपी से जुड़े लोगों की तरफ अधिकारी देखते तक नहीं है। भाजपा के आका जो अंग्रेजों से माफी मांगने में वीर थे वे अपराधी, बलात्कारी सबमें भेदभाव करती है। बिल्डर जगह-जगह अवैध निर्माण कर रहे पर भाजपा से नाता है तो वह छूट जाता है जबकि कोई गरीब अगर उनसे नहीं जुड़ा है तो सरकारी बुलडोजर उसका घर गिराने पहुंच जाती है।

सुनील सिंह साजन, सपा नेता

“पूरा लखनऊ भू माफियाओं और बिल्डरों के हवाले है। इनकी सेटिंग हर सरकार में रहती है, खासकर भाजपा सरकार में ये विशेष रूप से फलते फूलते हैं क्योंकि भाजपा धर्म और नफरत की राजनीति की आड़ में मूल सवाल गायब कर देने में पारंगत है। शालीमार पर कोई भी प्रभावी कार्रवाई होना बेहद मुश्किल है, इस सरकार के पास इतना दम नहीं है।

वैभव माहेश्वरी, प्रवक्ता, आम आदमी पार्टी

“भाजपा सरकार में न्याय के दो प्रकार हैं एक जिसमें सत्ता पक्ष के लोगों के अन्याय पर पर्दा डाल कर बचाना होता है, दूसरा विपक्ष के वालों की गलतियां खोज कर उन्हें फसाना होता है। वर्तमान समय में कोई माफिया हो, भू माफिया हो या अन्य प्रकार का अपराधी यदि भाजपा की वासिंग मशीन खुद को धुलवा ले, तो उसके सारे पाप धुल जाते हैं। शालीमार का अवैध अतिक्रमण भी इसका उदाहरण है।

दीपक सिंह, पूर्व एमएलसी कांग्रेस

चुनाव आते ही जनता को बरगला रही भाजपा : अखिलेश

श्वेतपत्र प्रकाशित करे बीजेपी सरकार

» कहा-लोग अब झूठे फेर में नहीं आने वाले, सरकार की खुली कलई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कहा कि जनता के बीच भाजपा सरकार की कलई खुल चुकी है। जनता अब सरकार के झूठे वादों के फेर में आने वाली नहीं है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार लोकसभा चुनाव के मद्देनजर जनता को बरगलाने के लिए घोषणाएं कर रही है लेकिन बीते छह साल में सरकार की एक भी घोषणा का क्रियान्वयन नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को सरकार की घोषणाओं का श्वेत पत्र जारी करना चाहिए।

अखिलेश यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री ने नए मेडिकल कॉलेज के प्रस्ताव कैबिनेट से पास किए हैं। उनके दावे तो यह भी है कि हर जिले में मेडिकल कॉलेज खुल रहे हैं। लेकिन हकीकत तो यह है कि जो पहले से मेडिकल कॉलेज चल रहे हैं उनमें भी दवा, इलाज की उचित व्यवस्था नहीं हैं। 700 से ज्यादा डॉक्टरों का कोई अता पता नहीं हैं। उन्होंने कहा कि प्रतिष्ठित किंग जार्ज मेडिकल कॉलेज और पीजीआई से विशेषज्ञ डॉक्टर इस्तीफा दे रहे हैं। संविदा पर भी अस्पतालों में डॉक्टर नहीं मिल रहे हैं। सच तो यह है कि भाजपाराज में स्वास्थ्य सेवाएं बुरी तरह चरमरा गई हैं। अस्पतालों में मरीज इलाज के अभाव में मर रहे हैं। दवाएं नहीं मिल रही हैं। तीमारदार अपने बीमार परिजनों को लादे हुए इलाज के लिए भटक रहे हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार में एमबीबीएस की सीटें बढ़ाई गई थी। एम्स के लिए जमीन दी गई थी। मेडिकल कॉलेजों की स्थापना की गई थी। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार को तत्काल श्वेतपत्र प्रकाशित करना चाहिए ताकि पता चल सके कि सरकारी घोषणाओं और हकीकत में कितना अंतर है। नए मेडिकल कॉलेज कहां बने और उनकी मान्यता की स्थिति क्या है? उन्होंने कहा कि हकीकत यह है कि भाजपा सरकार ने अपने वरिष्ठ नेता पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी के नाम पर मेडिकल यूनिवर्सिटी बनाई थी वह आज भी डॉ. राम मनोहर लोहिया संस्थान, गोमती नगर लखनऊ में 10वें तल पर चल रही है। उन्होंने कहा कि जो सरकार अब तक अटल बिहारी बाजपेयी मेडिकल यूनिवर्सिटी का अपना भवन नहीं बना सकी है। वह पूरे प्रदेश में कैसे स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार लाएगी।

काशी में कूज रोक कश्यप समाज कर रहा भाजपा का विरोध

भाजपा को चुनावी नदी पार नहीं करने देगा कश्यप समाज

सपा अध्य अखिलेश यादव ने ट्वीट के जरिये कहा है कि काशी में मछुआ-निषाद-कश्यप समाज के लेगों ने अपनी परंपरागत आजीविका पर भाजपा सरकार द्वारा हमला करने के विरोध में नाव घेरा बनाकर कूज का मार्ग रोका। इसके माध्यम से यह संदेश दिया है कि अगले चुनाव में यह समुदाय भाजपा को नदी पार नहीं करने देगा। वहीं, पौधरोपण अभियान पर कटाक्ष करते हुए कहा कि पौधरोपण में यूपी पिछले छह वर्षों में हर साल अपना ही रिकॉर्ड तोड़ रहा है, जबकि केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और उड़ीसा में वन क्षेत्र में सर्वाधिक वृद्धि हुई है एक अन्य ट्वीट में उन्होंने अंबेडकरनगर में अस्पताल के खाने में छिपकली निकलने पर चिंता जताते हुए कहा है कि अगर यूपी में कोई स्वास्थ्य मंत्री हों तो इस तरफ ध्यान दें।

जनता के हितों की रक्षा करने में मोदी सरकार नाकाम : खाबरी

» विपक्ष को खत्म करने की कोशिश कर रही भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खबरी ने कहा कि भाजपा हर स्तर पर षड्यंत्र कर रही है। वह जनता के हितों की रक्षा करने में पूरी तरह नाकाम है। भारतीय जनता पार्टी की कोशिश है कि विपक्ष को पूरी तरह से खत्म कर दिया जाए। इसीलिए वह राहुल गांधी सहित अन्य नेताओं को चुनाव लड़ने के अधिकार से भी वंचित करने की साजिश रच रही है।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के समर्थन और भाजपा की जन विरोधी नीतियों के खिलाफ कांग्रेसियों ने बुधवार को मौन सत्याग्रह किया। सुबह करीब 11 बजे से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बृजलाल खाबरी के नेतृत्व में शहीद स्मारक निकट गांधी सभागार, कैसरबाग पर मौन सत्याग्रह का आयोजन किया गया है। इस मौके पर प्रांतीय अध्यक्ष नसीमुद्दीन सिद्दीकी, नकुल दुबे, मोहम्मद शमीम खान, दिनेश सिंह, अनिल यादव, मनोज यादव, राजेश सिंह काली, प्रदीप सिंह और अशोक सिंह आदि मौजूद रहे। कांग्रेस नेता मोहम्मद सलीम खान ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार जनता के हितों की अनदेखी कर रही है। कांग्रेस के बढ़ते जनाधार से बौखला कर तरह-तरह की साजिश रच रही है।

विरासत संपत्तियों के मूल गौरव को स्थापित करने का हो रहा कार्य

» सीएम बोले-अयोध्या संग्रहालय मंदिर में भगवान राम की परंपराओं का समावेश करें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में संग्रहालय मंदिर के निर्माण में भगवान राम से संबंधित परंपराओं का समावेश करने के निर्देश दिए हैं। बुधवार को मुख्यमंत्री आवास पर पर्यटन विभाग के प्रस्तुतीकरण में मुख्यमंत्री ने लखनऊ की छत्तर मंजिल, कोठी गुलिस्तां-ए-इरम, कोठी दर्शन विलास और कोठी रोशन-उद्-दौला को पर्यटन के लिहाज से विकसित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री के समक्ष पर्यटन विभाग की ओर से प्राचीन धरोहर भवनों के एडॉप्टिव रियूज, अयोध्या में प्रस्तावित संग्रहालय मंदिर एवं गेटवे कॉम्प्लेक्स टूरिस्ट फैसिलिटेशन सेंटर का प्रस्तुतीकरण किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में विरासत संपत्तियों के मूल गौरव को स्थापित करने का कार्य किया जा रहा है।

कांग्रेस को कोर्ट पर भरोसा नहीं : बृजभूषण

» प्रियंका को घेरा, बोले- हिम्मत है तो चुनाव लड़ें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोंडा। यौन शोषण के आरोपों से घिरे भारतीय कुश्ती संघ के निवर्तमान अध्यक्ष व कैसरगंज से भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी पर पलटवार करते हुए लोकसभा चुनाव लड़ने की चुनौती है। कांग्रेस नेता ने ट्विटर पर यौन शोषण के मामले में भाजपा पर सांसद को बचाने का आरोप लगाते हुए सवाल खड़े किए थे।

कैसरगंज सांसद ने फेसबुक के जरिए कांग्रेस नेता पर पलटवार किया है। सांसद ने लिखा झूठ की तारीफ, सच का मजाक। कुछ ऐसा है आजकल कांग्रेस का मिजाज।

उन्होंने अपने जीवन के सच को लेकर एक बिंदुवार पोस्ट करते हुए कहा कि पुलिस की जांच रिपोर्ट से कानून किसी को अपराधी नहीं मानता, यह अधिकार न्यायालय को है। न्यायालय में मुझे अपना पक्ष रखने का अधिकार संविधान देता है। ऐसा लगता है कि प्रियंका गांधी व कांग्रेस को न्यायालय पर भरोसा नहीं है, इसलिए वह हर मामले का मीडिया ट्रायल करती है। मेरे और परिवार के साथ हमेशा कांग्रेस ने साजिश रची है।

सांसद बोले- मेरे बाबा की मौत कांग्रेस की साजिश

सांसद ने कहा कि 1952 में मेरे बाबा चंद्रभानु शरण सिंह कांग्रेस पार्टी से विधायक बने थे। रहस्यमय परिस्थितियों में उनकी मृत्यु कांग्रेस की साजिश थी। 1974 में मेरा घर गिराने के साथ ही मेरे परिवार को जेल में बंद किया गया। 1975 में इमरजेंसी का विरोध करने पर मेरे ऊपर फर्जी मुकदमे हुए। 1980 में मेरे ऊपर ऑटोमेटिक हथियारों से कांग्रेस ने हमला कराया, इसमें मैं घायल हुआ और मेरे साथी की मृत्यु हो गई। 1989 व 1992 में मेरी गिरफ्तारी कराई गई। 1995 में कांग्रेस ने मेरे ऊपर टांडा लगाकर देशी द्रोही बताया। 2004 में एक दुर्घटना को हत्या कहकर मेरे राजनीतिक वजूद को मिटाने की कोशिश कांग्रेस ने की।

नये लोगों को पार्टी से जोड़ें : मायावती

» बोलीं-युवाओं व पिछड़ों को दें प्राथमिकता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा प्रमुख मायावती ने लोकसभा चुनाव के मद्देनजर अपने कार्यकर्ताओं की चुड़ी कसनी शुरू कर दी है। इसी के तहत कुछ सीटों पर सोशल इंजीनियरिंग को ध्यान में रखते हुए सभी कोऑर्डिनेटरो से कहा कि नए लोगों को पार्टी में शामिल करें और ऐसी सीटों पर पिछड़े वर्ग के लोगों को प्राथमिकता दें। हालांकि लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारियों के मद्देनजर बसपा सुप्रीमो मायावती के युवाओं को जोड़ने के निर्देश के बावजूद नए लोग पार्टी से नहीं जुड़ पा रहे हैं।

दरअसल, नए लोगों के पार्टी में शामिल नहीं होने से टीम उस तरह से उत्साहित नहीं है जैसा पिछले चुनावों में रही है। हालांकि टीम को मजबूती देने के लिए मायावती पहले तीन माह लखनऊ फिर दिल्ली में बैठकें कर रही हैं। उधर मुस्लिमों को जोड़ने के लिए पूर्व विधायक इमरान मसूद को शामिल कर इसी क्रम को आगे बढ़ाने की तैयारी है। विधानसभा चुनाव में दलित मुस्लिम समीकरण पर दांव लगाने के बावजूद बसपा चारों खाने चित हो गई थी। बावजूद इसके पार्टी के रणनीतिकारों का अब भी यही मानना है कि दलित मुस्लिम समीकरण बसपा का सबसे अच्छा हथियार है। लोकसभा चुनाव में भी यही फार्मूला नैया पार लगाएगा। वहीं पूर्व सीएम ने ट्वीट कर कहा कि यूपी सहित देश के अधिकतर राज्यों में भारी बारिश व बाढ़ के कारण आम जनजीवन काफी प्रभावित है। काफी जान-माल व पशुधन की हानि हुई है। शहरों का बुरा हाल है किन्तु ग्रामीण इलाकों में लोगों के मकान गिरने व फसल की व्यापक बर्बादी आदि के कारण हालात काफी गंभीर व चिन्ताजनक है। ऐसे विकट हालात में सभी संबंधित राज्य सरकारें पीड़ितों हर प्रकार से मदद के लिए पूरी ईमानदारी के साथ अपनी जिम्मेवारी को निभाएं। केन्द्र की सरकार को भी आकलनों व बैठकों आदि से आगे बढ़कर राज्यों की मदद के लिए तत्काल आगे आना जरूरी है। यह बसपा की मांग है।

गठबंधन करने पर विचार

भले ही मायावती यह कहती हों कि बसपा अपने दम पर चुनाव लड़ेगी, लेकिन रणनीतिकार गठबंधन के विकल्पों पर भी विचार कर रहे हैं। देखना यह है कि बसपा की कांग्रेस के साथ बात बनती है या फिर छोटे दलों को जोड़कर आगे बढ़ती है। पार्टी की निगाह ऐसे दलों पर भी है जो दूसरे दलों में बागी तेवर दिखा रहे हैं। बसपा ने बूथ कमेटियों को एक्टिव किया है। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में सपा और रालोद के साथ बसपा ने 19.4 प्रतिशत मतों के साथ दस सीटें जीती थीं। 2014 में तो बसपा का खाता भी नहीं खुला था। ऐसे में यदि माकूल समीकरण नहीं बनें तो पार्टी को इस बार भी मुश्किल हो सकती है।

महाराष्ट्र में सियासी टूट-फूट, अब होगी वोटों की लूट

भाजपा-कांग्रेस ने शुरू की चुनावी तैयारी

» शिवसेना-एनसीपी ने भी कमर कसी
» उद्धव व अजित भी देंगे कड़ी टक्कर
» लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में सियासी उथल-पुथल के बाद वहां के सभी राजनीतिक दल चुनावी मोड में आ गए हैं। कांग्रेस, एनसीपी, भाजपा, शिवसेना, शिवसेना उद्धव गुट समेत सभी दलों ने अपने कील-कांटे दुरुस्त करने की तैयारी शुरू कर दी है। भाजपा ने शिवसेना व राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को तोड़कर राज्य की राजनीति में चार प्रमुख दलों की पार्टी की जगह अब अन्य दलों के साथ दो दल और जुड़वा दिए । इस तरह महाराष्ट्र की लड़ाई में और योद्धा तैयार हो गए हैं।

वहीं एनसीपी में हुई टूट-फूट से मची हलचल के बीच कांग्रेस हाईकमान ने सूबे के नेताओं को बुलाकर वहां की राजनीतिक परिस्थितियों की समीक्षा की। अजीत पवार के अलग होने से शरद पवार की अगुवाई वाली एनसीपी की बढ़ी चुनौतियों के बीच पार्टी को तोड़-फोड़ से बचाते हुए सूबे की राजनीति में फिर से कांग्रेस की केंद्रीय भूमिका बहाल करने की रणनीति पर चर्चा की। पहले शिवसेना और अब एनसीपी में तोड़-फोड़ को राजनीतिक धोखा करार देते हुए कांग्रेस को एकजुट कर महाराष्ट्र में इसके खिलाफ पदयात्रा से लेकर बस यात्रा निकालने के कार्यक्रमों की घोषणा की।

इन कार्यक्रमों के जरिए महाराष्ट्र से ही 2024 की लोकसभा चुनाव की तैयारियों का आगाज करने का कांग्रेस ने ऐलान किया। साथ ही यह तय हुआ कि शिवसेना और एनसीपी में हुई टूट के बाद विपक्ष का सबसे बड़ा दल होने के नाते महाराष्ट्र में नेता विपक्ष के पद के लिए कांग्रेस अपना दावा करेगी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अगुवाई में पार्टी मुख्यालय में महाराष्ट्र के वरिष्ठ नेताओं संग हुई रणनीतिक समीक्षा बैठक में राहुल गांधी भी मौजूद थे। चार घंटे की बैठक के बाद कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने पत्रकारों से कहा कि पांच राज्यों की रणनीति बैठक में विधानसभा चुनाव पर चर्चा हुई और महाराष्ट्र की बैठक से कांग्रेस ने अगले लोकसभा चुनाव की तैयारियों का आगाज कर दिया है। इसीलिए तय हुआ है कि महाराष्ट्र के सभी वरिष्ठ नेता एक-एक लोकसभा सीट की जिम्मेदारी लेंगे।

पीएम का करेंगे सम्मान

दरअसल, एक अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पुणे में तिलक स्मारक मंदिर ट्रस्ट द्वारा आयोजित एक समारोह में लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में शरद पवार को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। आयोजकों ने इस बारे में जानकारी दी है। आयोजकों ने यह भी बताया है कि शरद पवार के भतीजे अजित पवार को भी इसके लिए आमंत्रित किया गया है। उनके अतिरिक्त अन्य आमंत्रितों लोगों में महाराष्ट्र के राज्यपाल रमेश बैस, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस शामिल हैं। ट्रस्ट के अध्यक्ष दीपक तिलक ने बताया कि तिलक स्मारक मंदिर ट्रस्ट (हिंद स्वराज संघ) एक अगस्त को लोकमान्य तिलक की 103वीं पुण्यतिथि पर पीएम को सम्मानित करेगा। पीएम मोदी को उनके सर्वोच्च नेतृत्व और नागरिकों में देशभक्ति की भावना जगाने के लिए इस पुरस्कार के लिए चुना गया है। इस दौरान पीएम को एक स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र से देकर सम्मानित किया जाएगा। ट्रस्ट के बयान में यह भी कहा गया कि प्रधानमंत्री के सर्वोच्च नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा के तहत देश प्रगति की सीढ़ियां चढ़ रहा है।

भाजपा-एनसीपी के कार्यक्रम पर नजर

महाराष्ट्र की राजनीति में हुए ताजा बदलावों के बाद एक अगस्त को होने वाले इस कार्यक्रम पर सभी की नजर होगी। दो जुलाई को अजित के एनडीए में शामिल होने और राज्य के डिप्टी सीएम पद की शपथ लेने के बाद शरद पवार ने पीएम मोदी पर भी हमला बोला। एनसीपी में अजित पवार की बगावत के बाद बदले राजनैतिक परिदृश्य बदल गया है। एक ओर जहां शरद पवार और अजित पवार के बीच पार्टी और निशान को लेकर जंग शुरू हो गई है। वहीं दूसरी ओर, शिवसेना के नाम और चुनाव चिन्ह को लेकर उद्धव ठाकरे की याचिका पर सुनवाई करने के लिए सुप्रीम कोर्ट तैयार हो गया है। इस बीच, महाराष्ट्र सरकार में कैबिनेट विस्तार को लेकर भी शिंदे गुट के विधायकों में तनातनी चल रही है। इस बीच एक बड़ी खबर सामने आई है। कहा जा रहा है कि पुणे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, शरद पवार और अजित पवार एक अगस्त को एक साथ एक मंच पर नजर आ सकते हैं। हालिया घटनाक्रम को देखते हुए इसे बेहद अहम माना जा रहा है।

हर जिले की जाएंगी बड़ी पदयात्राएं

सितंबर में प्रदेश के हर जिले में बड़ी पदयात्राएं होंगी, जिनका नेतृत्व सूबे के सभी प्रमुख नेता करेंगे। इसके बाद नवंबर-दिसंबर के महीने में सूबे के सभी वरिष्ठ नेता पूरे महाराष्ट्र की बस यात्रा करेंगे। मल्लिकार्जुन खरगे ने सूबे की मौजूदा सियासी परिस्थितियों में कांग्रेस की केंद्रीय भूमिका स्थापित करने के लिए एकजुटता पर जोर दिया। राहुल गांधी ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा के दौरान महाराष्ट्र में जैसा उत्साह और समर्थन मिला उसे देखते हुए संदेह नहीं कि हम मिलकर मैदान में उतरेंगे तो कांग्रेस को बड़ा समर्थन मिलेगा। यह तर्क भी दिया गया कि एनसीपी तोड़ने का महाराष्ट्र के लोगों में नकारात्मक संदेश गया है, जिसकी कीमत भाजपा को चुकानी पड़ सकती है।

फडणवीस ने ही मुझे सीएम बनाया : शिंदे

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने एक बार फिर उद्धव ठाकरे की आलोचना करते हुए कहा कि एक असुरक्षित व्यक्ति पार्टी का विकास नहीं कर सकता। साथ ही उन्होंने देवेंद्र फडणवीस के साथ तकरार के मुद्दे पर भी बात की। शिंदे ने कहा कि किसी को व्यापक सोच रखने की जरूरत है। पार्टी कार्यकर्ताओं का समर्थन चाहिए। एक असुरक्षित व्यक्ति पार्टी का विकास नहीं कर सकता। वह पार्टी को आगे नहीं बढ़ा सकता। बाला साहब ठाकरे मजबूती से हमारे साथ हैं। अब दौरे करने से कुछ नहीं होगा। उन्होंने वह खो दिया, जो कभी हमारे रहने पर उनके साथ था। ठाकरे ढाई साल मुख्यमंत्री रहे। इस दौरान उन्होंने एक भी फाइल पर हस्ताक्षर तक नहीं किए। वह अपना घर ही मुश्किल से छोड़ा करते थे। शिंदे ने उन अफवाहों को भी नकार दिया, जिसमें दावा किया जा रहा था कि उनके कुछ विधायक ठाकरे गुट में शामिल हो सकते हैं। उन्होंने पूछा कि डबूती नाव को कौन जोड़ेगा। मुख्यमंत्री ने अपने और देवेंद्र फडणवीस के साथ तकरार की बातों को भी सिरे से खारिज किया है। उन्होंने कहा कि मुझे मुख्यमंत्री बनाने में फडणवीस का बड़ा हाथ है। हम दोस्त हैं। सबसे अहम बात है कि हम एक-दूसरे पर भरोसा करते हैं। अजित पवार के शामिल होने पर उन्होंने कहा कि परिवार को राजनीति में अपने अहम को अलग रखना होता है। आप एक सक्रिय, वरिष्ठ और अच्छे नेता को लंबे समय तक दबाकर नहीं रख सकते।

मोदी जी का धन्यवाद भ्रष्टाचारियों को बरी कर दिया : शरद पवार

तब शरद पवार ने कहा था, ऐसा लगता है कि प्रधानमंत्री ने राकांपा और उन सभी लोगों को बरी कर दिया है, जिनके खिलाफ उन्होंने आरोप लगाए थे। मुझे आज खुशी है कि उन्होंने राकांपा के कुछ सहयोगियों को कैबिनेट में जगह दी। यह दिखाता है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ लगाए गए आरोप तथ्यात्मक नहीं थे। इसके लिए मैं उनका आभारी हूं।

उद्धव का बयान महाराष्ट्र की संस्कृति नहीं : गडकरी

शिवसेना (उद्धव-बालासाहेब) के नेता उद्धव ठाकरे की ओर से महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को लेकर की गई टिप्पणी को लेकर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी भड़क गए। गडकरी ने उद्धव की तरफ से फडणवीस के लिए इस्तेमाल किए गए कलंक शब्द के लिए उनकी आलोचना की और कहा कि महाराष्ट्र की राजनीतिक संस्कृति में इतने निचले स्तर के निजी विचार शोभा नहीं देते। गडकरी ने ठाकरे की टिप्पणी की निंदा की। उधर गडकरी ने ट्वीट में कहा, नागपुर में देवेंद्र फडणवीस के बारे में उद्धव ठाकरे का बयान निंदनीय है। राजनीतिक भाषा गिर चुकी है। उन्हें हमारी सरकार के दौरान किए गए विकास कार्यों और उनके द्वारा किए गए कार्यों पर चर्चा करनी चाहिए, लेकिन इस तरह से इतने निचले स्तर के व्यक्तिगत आरोप लगाना महाराष्ट्र की संस्कृति के अनुरूप नहीं है। भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने नागपुर हवाई अड्डे के पास ठाकरे के पोस्टर फाड़ने के बाद उनके खिलाफ नारे लगाए। भाजपा के एक स्थानीय नेता ने कहा कि वे मंगलवार सुबह ठाकरे के खिलाफ शहर में प्रदर्शन करेंगे।

फडणवीस कलंक हैं : उद्धव

उद्धव ठाकरे ने हाल ही में फडणवीस के गृह क्षेत्र नागपुर में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा था कि भाजपा नेता नागपुर पर एक 'कलंक' है क्योंकि उन्होंने कहा था कि वह राकांपा के साथ गठबंधन नहीं करेंगे, लेकिन फिर भी उन्होंने ऐसा किया। ठाकरे ने फडणवीस का पुराना ऑडियो क्लिप चलाया, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह कभी राकांपा से हाथ नहीं मिलाएंगे। ठाकरे ने यह वीडियो चलाते हुए कहा था कि भाजपा नेता की न का मतलब हां होता है।

भाजपा ने महाराष्ट्र के स्वाभीमान को तोड़ा : खरगे

राहुल गांधी ने कहा कि महाराष्ट्र कांग्रेस का गढ़ है। बैठक के बाद खरगे ने ट्वीट में कहा, भाजपा ने अपनी वॉशिंग मशीन का इस्तेमाल कर महाराष्ट्र के स्वाभिमान को ठेस पहुंचाने का काम किया है। कांग्रेस इस राजनैतिक जालसाजी का बराबर जवाब देगी। महाराष्ट्र की जनता भाजपा द्वारा किए जनादेश पर लगातार हमलों का कड़ा राजनैतिक उत्तर देगी। हमारे नेता और कार्यकर्ता जनता को उनको अपनी सरकार वापस दिलाएंगे। महाराष्ट्र और कांग्रेस के गौरवशाली रिश्ते को हम और मजबूत करेंगे।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

बेतरतीब बसावट ने बिगाड़ा खेल

“ अब वैज्ञानिक बता रहे हैं कि पहाड़ों में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस का असर है और पंजाब-हरियाणा में साइक्लोनिक सर्कुलेशन के साथ-साथ मॉनसून टर्फ भी है। इसी के चलते बीते चार दिनों में दिल्ली, हिमाचल प्रदेश , हरियाणा पंजाब और यूपी में इतनी ज्यादा बारिश हुई।

पूरे भारत में मानसूनी बारिश का कहर जारी है। देश का हर बड़ा शहर बाढ़ की चपेट में है। प्रथम दृष्टया शहरों की बेतरतीब निर्माण की वजह से शहरो ंके हालात खराब हो रहे हैं। उत्तर भारत में पिछले चार दिनों से हो रही बारिश में अब तक पचास से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और इससे शहरी जीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। शहरी इन्फ्रास्ट्रक्चर और इसकी देखरेख के लिए जिम्मेदार एजेंसियां अपनी भूमिका में किस तरह से नाकाम रही हैं। इस बीच, देश के 17 राज्यों के पौने दो सौ जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। पहाड़ों में तो जैसे हर ओर आपदा आई हुई है, चाहे वह हिमाचल हो या उत्तराखंड। उधर, लाहौल स्पीति के लोसर गांव में बर्फबारी तक हुई। जिस तरीके से दो दिन के अंदर दिल्ली में 268 मिमी से अधिक हुई बारिश ने 44 साल का रेकॉर्ड तोड़ा और 74 साल बाद लद्दाख में साढ़े तीन हजार फीसदी से अधिक बारिश दर्ज हुई, यह साफ बताता है कि मामला जलवायु परिवर्तन से सीधा जुड़ा है।

अब वैज्ञानिक बता रहे हैं कि पहाड़ों में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस का असर है और पंजाब-हरियाणा में साइक्लोनिक सर्कुलेशन के साथ-साथ मॉनसून टर्फ भी है। इसी के चलते बीते चार दिनों में दिल्ली, हिमाचल प्रदेश , हरियाणा पंजाब और यूपी में इतनी ज्यादा बारिश हुई। याद करें तो महज पंद्रह दिन पहले मौसम विभाग कह रहा था कि बारिश सामान्य होगी और हो सकता है कि कहीं-कहीं सामान्य से भी कम हो। जाहिर है कि ऐसी बारिश का अनुमान लगाने में वह विफल रहा है। इस बारिश ने सिर्फ मौसम विभाग की ही पोल नहीं खोली है, इसने यह भी दिखाया है कि हमारी अर्बन प्लानिंग भी किसी खास काम की नहीं है। जिस तरह से इस बारिश में दिल्ली से लेकर अंबाला तक डूब गए, यह साफ बताता है कि पानी निकासी के हमारे जो भी इंतजाम हैं, एक तो वे नाकाफी हैं, दूसरे उनका रखरखाव भी ठीक से नहीं किया गया। दिल्ली में ही पानी निकालने का मास्टर प्लान 1976 में बना था, जो अब आउटडेटेड हो चुका है। अंबाला शहर में तो लोगों को बचाने के लिए सरकार को सेना लगानी पड़ी। वैसे यह कोई आज का ही सीन नहीं है। दिल्ली नहीं तो चेन्नई, अंबाला नहीं तो जयपुर या गुड़गांव नहीं तो मुंबई में यह दृश्य लगभग हर साल ही खुद को दोहराता रहा है। ऐसा भी नहीं कि हर नगरपालिका या नगर निगम के पास धन की ही कमी है, जिसके चलते ऐसा हो रहा है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

वैतनिक असमानता का दंश झेलने की मजबूरी

दीपिका अरोड़ा

आधुनिक प्रगतिशील दौर में भले ही नर-नारी समता की बातें पैठ बनाती प्रतीत हों किंतु सतही आधार पर स्थिति सर्वथा भिन्न है। यह बात साबित करते हैं वैतनिक समानता के मद्देनजर हुए ताजा सर्वेक्षण। इंटरनेशनल लेबर ऑर्गेनाइजेशन रिपोर्ट बताती है कि विश्वभर में किसी कार्य हेतु पुरुषों को यदि 100 रुपये मिलते हैं तो महिलाओं को प्रदत्त श्रमदेय 73 रुपये (भारत में 71 रुपये) रहता है। नैसकॉम की रिपोर्ट के अनुसार, देश की तकनीकी उद्यमिता में लगभग 30 प्रतिशत महिलाएं सम्मिलित हैं लेकिन उनका औसत वेतन पुरुषों से 29 प्रतिशत कम है। रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के मुताबिक़, रिटेल वर्कफोर्स में महिला सहभागिता 70 प्रतिशत होने के बावजूद उनका वेतन पुरुषों की अपेक्षा 33 प्रतिशत कम है। मासिक आय का यह अंतर कृषि क्षेत्र में 3,812 रुपये, मैन्युफैक्चरिंग में 5,904 रुपये, सर्विस सेक्टर में 4,435 रुपये तथा ट्रेडिंग में 6,020 रुपये है।

वर्ल्ड इनइक्वलिटी रिपोर्ट के मुताबिक़, देश की कुल श्रमिक आय में महिलाओं की हिस्सेदारी मात्र 18 प्रतिशत है, क्योंकि अधिकांश महिलाएं कम आय वाले व्यवसाय से ताल्लुक रखती हैं। इस संदर्भ में भारतीय ग्राम्य भू-भागों का संज्ञान लें तो औसत पुरुष दिहाड़ी 393 रुपये है तथा महिला श्रमदेय 265 रुपये है। शहरी क्षेत्रों में यह क्रमशः 483 तथा 333 रुपये है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के अनुसार, सर्वाधिक अंतर केरल राज्य में दृष्टिगोचर हुआ। यहां गांवों में पुरुषों का औसत पारिश्रमिक 842 रुपये (प्रतिदिन) है तो महिलाओं का 434 रुपये। पंजाब, हरियाणा, हिमाचल तथा राजस्थान में महिला दिहाड़ी पुरुषों की अपेक्षा लगभग 85 प्रतिशत होने के कारण स्थिति बेहतर आंक सकते हैं। गुजरात, मध्यप्रदेश, झारखंड में यह 80 प्रतिशत तथा उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बंगाल में पुरुषों के मुकाबले 70 प्रतिशत है। उत्तराखंड देश का एकमात्र राज्य है, जहां महिला श्रमदेय पुरुषों के मुकाबले अधिक पाया गया। 19 में से 11 बड़े राज्यों के मध्य स्थित अंतर वर्ष 2011-12 की अपेक्षा और बढ़ा है। पं. बंगाल, गुजरात, छत्तीसगढ़ में यह 10 प्रतिशत से अधिक रहा।

मैकेंजी की ताजा रिपोर्टानुसार, विश्वभर में महिलाओं की वरिष्ठ पदों पर भागीदारिता मात्र 14 प्रतिशत है, जिसके चलते मानदेय निर्धारित करने में 86 प्रतिशत पुरुषों की भूमिका प्रभावी हो जाती है। करिअर की अपेक्षा

परिवार महिलाओं की प्राथमिकता है; वैतनिक भेद के पीछे यह मानसिकता भी प्रबल रहती है। राष्ट्रीय स्तर पर जांचें तो मुख्य कारण हैं समाज में व्याप्त पितृसत्तात्मक सोच। इसके चलते महिलाओं को नियुक्ति, पदोन्नति, भुगतान आदि में पूर्वाग्रहों का सामना करना पड़ता है, भले ही उनकी योग्यता-अनुभव पुरुष सहयोगियों के समकक्ष हो। पारिवारिक जिम्मेदारियों के दृष्टिगत दीर्घकालीन अवकाश, नौकरी के स्वरूप-समय संबंधी पाबंदी, प्रशिक्षण तथा शैक्षणिक कार्यक्रमों के लिए अपेक्षित समय न निकाल पाना, परिवहन उपलब्धता-सुरक्षा के दृष्टिगत समस्याएं पेश आना, मौके अपेक्षाकृत कम होने के कारण ऊंचे वेतनमान के लिए अधिक मोलभाव न कर पाना आदि अनेकानेक कारण इस अंतर को बढ़ावा देते हैं। कानूनी स्थिति देखें तो 1976 में पारित 'समान पारिश्रमिक अधिनियम' सार्वजनिक अथवा निजी सभी संगठनों के नियमित-अनियमित कर्मचारियों को दायरे में लेते हुए, बिना किसी लिंग भेदभाव समान कार्यों के लिए समान वेतन प्राप्त करना सुनिश्चित करता है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 39(डी) तथा अनुच्छेद 42 इस विषय में समानता की पूर्ण गारंटी देते हैं। वर्ष 2013 में पारित 'यौन उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध तथा प्रतिशोध) अधिनियम' कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा आवश्यक बनाने सहित वेतनमान समानता भी सुनिश्चित करता है। सामयिक आवश्यकता के मद्देनजर वर्ष 2017 को संशोधित 'मातृत्व लाभ अधिनियम' के तहत मातृत्व अवकाश की अवधि 12 सप्ताह से बढ़ाकर 26 सप्ताह कर दी गई। इसी प्रकार, वर्ष 2022 में 'भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड' ने 'भुगतान समता नीति' के अंतर्गत, केंद्रीय रूप से अनुबंधित महिला-पुरुष खिलाड़ियों को समान फीस देने संबंधी घोषणा की।

किंतु महज कानून बनाने भर से इस अंतर को पाटना संभव नहीं है। केंद्रीय सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी 'भारत में महिला एवं पुरुष 2022 रिपोर्ट' बताती है, विगत एक दशक में महिला-पुरुषों के मध्य वेतन असमानता बढ़ी है।

हिमालयी अस्मिता बचाने से रुकेंगी आपदाएं

शंभूनाथ शुक्ल

दस साल बाद अतिवृष्टि फिर कहर ढा रही है। जहां 2013 में उत्तराखंड तबाह हुआ था, वहीं 2023 में हिमाचल। मंडी शहर तो जल प्लावन के कगार पर है। सिरमौर में लोग फंसे हुए हैं। अटल टनल बंद है और शिमला-मनाली हाईवे के यात्री इधर-उधर टिके हैं। ब्यास नदी उफान पर है। उत्तराखंड में भी दस साल पहले जैसी विपदा भले न आई हो लेकिन पूरा राज्य बाढ़ की चपेट में है। पंजाब, हरियाणा के साथ-साथ दिल्ली-एनसीआर भी बदहाल है। वैसे जल-भराव और बाढ़ की हालत इन राज्यों के लिए आम हो गई है। मगर पिछले कुछ वर्षों से राजस्थान, गुजरात और मध्य प्रदेश के सूखे इलाकों में भी पानी भर रहा है। आखिर ऐसा क्यों हो रहा है? इस पर विचार न किया गया तो भविष्य में स्थिति और भयावह हो जाएगी। बहुत से लोग वह भयावह मंजर भूल चुके होंगे जब 2013 में केदारनाथ हादसा हुआ था।

उस समय 16 जून की रात अचानक केदारनाथ में जोर का धमाका हुआ और नीरव सन्नाटे में पानी की ऊंची-ऊंची लहरों ने पत्थरों को लुढ़काना शुरू कर दिया। गर्मी के दिन थे इसलिए उत्तराखंड के इस प्राचीन शिव मंदिर के दर्शनों के लिए असंख्य श्रद्धालु आए हुए थे। इस हादसे में कितने लोग मारे गये और कितने लापता हुए थे, इसका कोई पुख्ता आंकड़ा आज तक नहीं मिल सका है। बस यही बताया गया कि केदारनाथ धाम के चोराबारी ग्लेशियर के ऊपर बादल फटा था। इसके बाद जो भगदड़ मची उसमें कौन कहां गया, कुछ नहीं पता चल सका। केदारनाथ के एक तरफ 22,000 फीट ऊंची केदारनाथ पहाड़ी है दूसरी तरफ 21,600 फीट ऊंची कराचकुंड और तीसरी तरफ 22,700 फीट ऊंचा भरतकुंड है। इन तीन पर्वतों से होकर बहने वाली पांच नदियां हैं—मंदाकिनी, मधुगंगा, चिरगंगा, सरस्वती और स्वरंदरी। उस रात ये सारी नदियां उफन पड़ी थीं। इसके बाद पूरे उत्तराखंड में जबर्दस्त बारिश शुरू हो गई और यह पहाड़ी राज्य बुरी तरह बाढ़ से घिर गया। हादसे से उत्तराखंड के बाकी धाम (बद्रीनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री) भी सैलाब से बच नहीं सके। बाद में उत्तराखंड की बदहाली के जो चित्र आए, वे दिल दहला देने वाले थे। पानी के सैलाब ने सब कुछ लील लिया था। केदारनाथ में तो सिर्फ केदारनाथ का मंदिर ही शेष बचा था। कत्यूरी शैली में बने इस मंदिर की बनावट ऐसी है कि इसका ध्वंस लगभग असंभव है। देहरादून के वाडिया इंस्टिट्यूट की मानें तो 13वीं सदी से 17वीं सदी तक यह मंदिर बर्फ से दबा रहा। लेकिन जब बर्फ हटी तो मंदिर यथावत था।

दरअसल, कत्यूरी शैली में बने मंदिरों को इस तरह बनाया गया था कि वे प्राकृतिक आपदाओं में सुरक्षित रह सकें। किंतु मनुष्य जो आपदाएं लाते हैं, उनसे प्रकृति कुपित होती है। प्रकृति के कुपित होने से सबसे अधिक नुकसान मनुष्यों को ही होता है। मगर मनुष्य उसे कुपित करने के सारे उपक्रम करते रहते हैं। उस समय लगा था कि शायद मनुष्य इस हादसे से चेतेगा और नदियों के जल प्रवाह को रोकने या बाधित करने की हरकतें नहीं करेगा। मगर उस हादसे को लोग भूल गये, और फिर से वैसी ही हरकतें शुरू कर दीं, जो प्राकृतिक कोप का कारण बनती हैं। जैसे नदियों के जल-प्रवाह को रोकना, उसके प्रसार क्षेत्र में खनन, डूब क्षेत्र में बसावट। नतीजा यह होता है कि न बाढ़ रुक पाती है न सूखा।

दरअसल, प्रकृति के कोप से बचने के जो उपाय तलाशे गये थे, उनकी अवहेलना समाज को भारी पड़ती है। केदारनाथ की सभी नदियों के प्रवाह क्षेत्र में यदि होटल और गेस्ट हाउस न बनाये जाते तो यकीनन चोराबारी ग्लेशियर से आया पानी अपनी स्वाभाविक गति से बह जाता। किंतु जिस तरह से वहां भीड़ को ठहराने के लिए मंदाकिनी के बहाव को बाधित किया गया, उससे यह बर्बादी होनी ही थी। पहले तीर्थयात्री केदार धाम में अपनी आस्था और श्रद्धा के चलते आता था। मगर पर्यटन को बढ़ावा देने के मकसद से उसे एक धार्मिक स्थल से पर्यटन स्थल बना दिया गया। नतीजन लोग सिर्फ मौज-मस्ती के लिए यहां आने लगे। करीब एक हजार साल से भी ज्यादा समय तक केदारनाथ मंदिर अपनी भव्यता और दुर्गमता के कारण जाना जाता रहा है। बद्री और केदार घाटी की खोज आदि शंकराचार्य ने की थी। तब यहां तिब्बती बौद्धों का कब्जा था लेकिन आदि शंकराचार्य का कहना था कि भगवान नारायण ने यहां साक्षात अवतार लिया था और बाद में बौद्धों ने उनकी प्रतिमा कुंड में फेंक कर इस घाटी पर कब्जा कर लिया। आदि शंकराचार्य अपने साथ कुछ दक्षिणात्य ब्राह्मणों को लेकर गए थे और भयानक शीत में वे कुंड में कूदे तथा भगवान बद्री की प्रतिमा निकाली तथा उसे स्थापित किया। उनके बाद कल्चुरी राजाओं के शिल्पी आए तथा उनकी रक्षा के लिए सेना भी। शिल्पियों ने यहीं के पत्थरों से बद्री और केदार घाटी में क्रमशः भगवान बद्रीनाथ तथा शिवलिंग की भव्य मूर्तियां स्थापित कीं। शंकराचार्य ने आज से हजार साल पहले भारत देश को एक सूत्र में पिरोने की एक ऐसी अवधारणा प्रस्तुत की जो शायद उसके पहले किसी ने नहीं सोची थी।

पूरे भारत के पश्चिमोत्तर से लेकर पूर्वोत्तर तक हिमालय ही फैला है। और इसके नीचे का भू-भाग एक प्रायद्वीप जैसा है जिसका सारा मौसम हिमालय की पहाड़ियों और बर्फ से ढकी चोटियों से प्रभावित होता है। आज अगर भारत का मौसम उष्ण कटिबंधीय है तो उसकी वजह यही हिमालय है। जाड़ा, गर्मी और बरसात की वजह यही हिम प्रदेश है।

गर्मियों में डिहाइड्रेशन का खतरा अधिक

बचाव के लिए खूब पियें पानी

पूरे देश में इन दिनों भयंकर गर्मी और धूप का दौर जारी है। बढ़ रहा तापमान हमारी सेहत के लिए कई प्रकार से हानिकारक हो सकता है। इससे हीट स्ट्रोक और कुछ स्थितियों में आपातकालीन स्वास्थ्य समस्याओं का भी खतरा रहता है। डॉक्टर कहते हैं, गर्मी के दिनों में डिहाइड्रेशन होना बहुत आम है। डिहाइड्रेशन यानी शरीर में पानी की कमी होने से लू लगने के साथ किडनी, पाचन सहित कई अंगों के लिए भी समस्याएं हो सकती हैं। गर्मी के कारण होने वाली बीमारियों का प्रमुख कारण शरीर में पानी की कमी होना है। यदि आपका पेट पानी या स्वस्थ तरल पदार्थों से भरा रहता है तो लू लगने या तापमान बढ़ने के कारण होने वाली समस्याओं का जोखिम कम हो जाता है। गर्मी के दिनों में सभी लोगों को कम से कम 4 लीटर पानी जरूर पीना चाहिए।

पानी के पर्याप्त मात्रा के संकेत

गर्मी से बचे रहने के लिए दिनभर अधिक से अधिक मात्रा में पानी या तरल चीजें पीते रहें। इसे आप क्रॉस चेक भी कर सकते हैं कि क्या आप पर्याप्त मात्रा में इसका सेवन कर रहे हैं या नहीं? यदि आपके शरीर में पानी की कमी नहीं है तो आपको हर दो से ढाई घंटे में पेशाब जाने की अनुभूति होती रहती है। साफ-स्पष्ट, पतला मूत्र अच्छा संकेत है कि आप अच्छी तरह से हाइड्रेटेड हैं। इसके अलावा यदि पेशाब के दौरान जलन नहीं होती, पसीने का उत्पादन सही तरीके से हो रहा है तो यह भी अच्छा संकेत है।

डिहाइड्रेशन के दुष्प्रभाव

लंबे समय तक या बार-बार डिहाइड्रेशन की समस्या होते रहना मूत्र पथ के संक्रमण (यूटीआई), किडनी में पथरी और यहां तक कि किडनी फेलियर का भी कारण हो सकती है। निर्जलीकरण के कारण सिरदर्द भी हो सकता है। जब आप कम पानी पीते हैं तो पेशाब का उत्पादन भी कम होता है जिससे शरीर से अपशिष्ट निकल नहीं पाते हैं। ये समस्या कई प्रकार से गंभीर जोखिमों वाली मानी जाती है।

डिहाइड्रेशन के संकेत

शरीर में कहीं पानी की कमी तो नहीं है, सभी लोगों को इसका पता लगाते रहना भी आवश्यक है। कुछ सामान्य से लक्षणों के आधार पर इसकी पहचान की जा सकती है। इसमें आपके चेहरे-आंखों से संबंधित कई दिक्कतें हो सकती हैं। बार-बार प्यास लगना। गहरा पीला, तेज गंध वाला पेशाब होना। सामान्य से कम बार पेशाब जाना। चक्कर आना या कमजोरी महसूस करना। मुंह, होंठ और जीभ सूखा हुआ महसूस होना। आंखें में लालिमा, दर्द होना। त्वचा में रूखापन अधिक होना।

बचने के आयुर्वेदिक उपाय

कई बार डायरिया होने पर शरीर से इतनी अधिक मात्रा में पानी निकल जाता है कि मरीज डिहाइड्रेशन के शिकार हो जाते हैं। ऐसे में सौंफ के बीज उनके लिए बहुत फायदेमंद साबित होते हैं। आयुर्वेद के अनुसार सौंफ की तासीर ठंडी होती है और यह डायरिया के लिए ज़िम्मेदार बैक्टीरिया को खत्म करने में मदद करती है जिससे डिहाइड्रेशन की समस्या से बचाव होता है।

सौंफ

तुलसी

तुलसी में बहुत अधिक औषधीय गुण होते हैं और इसी वजह से इसका इस्तेमाल कई तरह की बीमारियों के इलाज में किया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार अपने देश में इस पौधे की पूजा भी की जाती है। डिहाइड्रेशन के कारण होने वाले पेट दर्द से आराम दिलाने में तुलसी की पत्तियां अहम भूमिका निभाती हैं। डिहाइड्रेशन होने पर यह शरीर के तापमान को ठंडा बनाये रखने में मदद करती हैं।

गिलोय जूस

अधिकतर मामलों में पाचन से जुड़े संक्रमण के कारण ही मरीज को डिहाइड्रेशन की समस्या होती है। ऐसे में गिलोय का जूस पीना काफी फायदेमंद होता है। इससे शरीर की इम्युनिटी पावर बढ़ती है और मरीज को जल्दी आराम मिलता है।

गन्ने का जूस

गन्ने के जूस में कैल्शियम, मैग्नीशियम, पोटैशियम, आयरन जैसे ज़रुरी पोषक तत्व काफी अधिक मात्रा में पाए जाते हैं। डिहाइड्रेशन होने पर शरीर में इन पोषक तत्वों की बहुत कमी हो जाती है।

हंसना मना है

एक ताऊ मरने वाला था, घर वालो ने कहा-अब तो भगवान का नाम ले लो ताऊ बोला-अब क्या नाम लेना 10 - 15 मिनिट बाद तो आमना-सामना हो ही जाएगा?

लड़का- यार, शादी मे जाना हैं , कैसा कोट पहन के जाऊं, कि सब मुझे ही देखे .! दूसरा लड़का- पेटी 'कोट' पहन के चला जा..! पक्का सब तुझे ही देखेंगे!

पति ने पत्नी को वश में करने के लिए एक ताबीज लिया? एक महीने बाद? पति-बाबा, पत्नी पर तो कोई असर नहीं हुआ, पर पड़ोसन वश में आ गई? बाबा-चलो इफेक्ट न सही, साइड इफेक्ट तो हुआ?

एक आदमी की मौत के बाद- उसका दोस्त उसकी पत्नी के पास आया और बोला-क्या मैं उसकी जगह ले सकता हूं? पत्नी- मुझे कोई ऐतराज नहीं है। कब्रिस्तान वालों से पूछ लो।

एक भिखारी रोज-रोज मांग कर खाते - खाते तंग आ गया था। एक दिन उसने भगवान से प्रार्थना की-भगवान, मुझे खाने को ऐसा कुछ दे जो खाने पर भी खत्म न हो! भगवान बोले- ये ले बेटा च्यूइंग गम !

कहानी | सेवाभाव में स्नेह के आंसू

बीबी जी! सब्जी ले लो। बताओ क्या-क्या तोलना है? कई दिनों से आपने सब्जी नहीं खरीदी मुझसे! मैं नीचे आती हूं। महिला नीचे उतर कर आई और सब्जी वाले के पास आकर बोली- भैया! तुम हमारे घर की घंटी मत बजाया करो। हमें सब्जी की जरूरत नहीं है। सब्जीवाला- कैसी बात कर रही हैं बीबी जी! सब्जी खाना तो सेहत के लिए बहुत जरूरी होता है। किसी और से लेती हो क्या सब्जी? नहीं भैया! उनके पास अब कोई काम नहीं है। किसी तरह से हम लोग अपने आप को जिंदा रखे हुए हैं। जब सब ठीक हो जाएगा, घर में कुछ पैसे आएंगे, तो तुमसे ही सब्जी लिया करूंगी। मैं किसी और से सब्जी नहीं खरीदती हूं। तुम घंटी बजाते हो तो उन्हें बहुत बुरा लगता है! उन्हें अपनी मजबूरी पर गुस्सा आने लगता है। इसलिए भैया अब तुम हमारी घंटी मत बजाया करो। इतना कहकर महिला अपने घर में वापिस जाने लगी। बहन जी! तनिक रुक जाओ। हम इतने बरस से आपको सब्जी दे रहे हैं। जब तुम्हारे अच्छे दिन थे, तब तुमने हमसे खूब सब्जी और फल लिए थे। अब अगर थोड़ी-सी परेशानी आ गई है, तो क्या हम तुमको ऐसे ही छोड़ देंगे? सब्जी वाले हैं! कोई नेता जी तो है नहीं कि वादा करके छोड़ दें। रुके रहो दो मिनिट और सब्जी वाले ने एक थैली के अंदर टमाटर, आलू, प्याज, घीया, कद्दू और करेले डालने के बाद धनिया और मिर्च भी उसमें डाल दिया। महिला हैरान थी! उसने तुरंत कहा- भैया! तुम मुझे उधार सब्जी दे रहे हो, कम से कम तोल तो लेते और मुझे पैसे भी बता दो। मैं तुम्हारा हिसाब लिख लूंगी। जब सब ठीक हो जाएगा तो तुम्हें तुम्हारे पैसे वापस कर दूंगी। वाह! ये क्या बात हुई भला? तोला तो इसलिए नहीं है कि कोई मामा अपने भांजी-भांजे से पैसे नहीं लेता हैं और बहिन! मैं कोई अहसान भी नहीं कर रहा हूं। ये सब तो यहीं से कमाया है, इसमें तुम्हारा हिस्सा भी है। गुड़िया के लिए ये आम रख रहा हूं, और भांजे के लिए मौसमी। बच्चों का खूब ख्याल रखना, ये बीमारी बहुत बुरी है और आखिरी बात भी सुन लो! घंटी तो मैं जब भी आऊंगा, जरूर बजाऊंगा। इतना कहकर सब्जी वाले ने मुस्कुराते हुए दोनों थैलियां महिला के हाथ में थमा दीं। महिला की आंखें मजबूरी की जगह स्नेह के आंसुओं से भरी हुई थीं।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज का दिन आपके लिए अच्छा है। ऑफिस में आपको सहकर्मियों का सहयोग मिल सकता है। आपके काम समय पर पूरे होंगे। स्टूडेंट्स पढ़ाई को लेकर कुछ बदलाव कर सकते हैं।

वृषभ

इस राशि के लोग हड़बड़ी में कोई फैसला ना लें। कोई नई शुरुआत भी हो सकती हैं। नौकरी में इच्छा विरुद्ध कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

मिथुन

विदेशी कनेक्शन स्थापित करने के इच्छुक लोगों को सफलता के लिए अथक प्रयास करना पड़ सकता है। वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा है।

कर्क

आज का दिन जीवन में अहम मोड़ ला सकता है। आपको अपने करियर का कोई बड़ा फैसला लेना पड़ सकता है। ध्यान रहे जो भी करें, सोच-समझ कर करें।

सिंह

आज कुटुंब में प्यार रहेगा। पिता की तरफ से लाभ मिलने के संयोग बन रहे हैं। आकस्मिक खर्च के योग हैं। व्यावसायिक क्षेत्र में आज साथ काम करने वालों का सहयोग प्राप्त करेंगे।

कन्या

यदि आप सहयोग लेने के इच्छुक हैं तो वरिष्ठ आपकी हर संभव सहायता करेंगे। साझेदार आपका भरपूर समर्थन करेंगे और आप आर्थिक लाभ के अवसर प्राप्त कर पाएंगे।

तुला

आज का दिन ठीक-ठाक रहेगा। आप परिवार वालों के साथ समय बिताने की पूरी कोशिश करेंगे। घर का वातावरण खुशनुमा बना रहेगा। पैसों को लेकर चिंता दूर हो सकती है।

वृश्चिक

आज आप बुद्धिमानी से कठिन काम भी निपटा सकते हैं। ज्यादा मेहनत वाला काम भी आपको करना पड़ सकता है। सहजता और संतुष्टि आपके चेहरे पर दिखेगी।

धनु

व्यावसायिक सन्दर्भ में आज आप अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकल कर कुछ जोखिम लेने की सकते हैं। नए संपर्क स्थापित होंगे जो मददगार होंगे।

मकर

आज का दिन आपके लिये मिला-जुला रहेगा। किसी जरूरी चीज को खरीदने में आपके पैसे खर्च हो सकते हैं। आपको किसी संस्था के द्वारा सम्मानित भी किया जा सकता है।

कुम्भ

आज आपको माता-पिता का सहयोग प्राप्त होगा। आप खाली समय का आनंद ले सकेंगे। मनोरंजन और एशो-आराम के साधनों पर ज़रूरत से ज्यादा ख़र्च न करें।

मीन

चिकित्सा और व्यर्थ व्यय आपके बजट को असंतुलित कर सकतें हैं। आपके परिवार के सदस्यों का स्वास्थ्य काफी चिंता का कारण हो सकता है।

बॉलीवुड | मन की बात

मां के कहने पर फिल्म बागवान में की थी काम

हेमा मालिनी और अमिताभ बच्चन की जोड़ी बॉलीवुड फिल्मों की हिट जोड़ियों में से एक हैं। दोनों ने साथ में कई फिल्मों में काम किया है। वीर-जारा, बागबान जैसी कई फिल्मों में दोनों की कैमिस्ट्री लोगों को बहुत पसंद आई हैं। हेमा मालिनी की फिल्म बागबान सुपरहिट साबित हुई थी पर बहुत कम लोग जानते हैं कि हेमा मालिनी इस फिल्म में काम नहीं करना चाहती थीं। ऐसा क्यों। चलिए बताते हैं। हेमा मालिनी ने हाल में दिए एक इंटरव्यू में बागबान के बारे में खुलकर बात की है। उन्होंने कहा मुझे याद है, जब रवि चोपड़ा मुझे फिल्म की कहानी सुना रहे थे। तब मेरी मां भी मेरे साथ बैठी हुई थीं। जब वह चले गए तो मैंने कहा-चार इतने बड़े-बड़े लड़कों की मां का रोल करने को बोल रहे है। मैं इस किरदार के लिए सही नहीं हूं। मैंने मन बना लिया था कि ये फिल्म मैं नहीं करूंगी। हेमा मालिनी ने बताया कि मैंने अपनी मां से डिसकस किया। तब मेरी मां ने मुझे कहा- तुम्हें ये फिल्म करनी जरूर चाहिए। मैंने पूछा क्यों? उन्होंने कहा-ये कहानी बहुत अच्छी है। वो मेरे पीछे पड़ गई थी। हेमा ने कहा-ओके मैं करती हूं, लेकिन देखिए इससे पहले मैं फिल्में नहीं कर रही थीं। लंबे गैप के बाद मैं काम कर रही हूं। मेरी मां ने कहा कि ये किरदार बहुत अच्छा है। बागबान की बात करें तो ये फिल्म अपने समय की सुपरहिट साबित हुई थी। फिल्म में एक परिवार की कहानी दिखाई जाती है, जिसमें बेटे शादी के बाद अपने मां-पिता को अपने साथ में नहीं रखना चाहते हैं। लोग आज भी इस फिल्म उतने ही क्रेज के साथ देखना पसंद करते हैं। बागबान के बाद हेमा मालिनी और अमिताभ बच्चन ने वीर-जारा में भी काम किया था।

सरकटे का आतंक मिटाने आ रही है श्रद्धा कपूर की स्त्री-2

श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव की 2018 में रिलीज हुई फिल्म स्त्री को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला था। इस सफलता को देखते हुए मेकर्स ने स्त्री-2 का ऐलान किया था, जिसके बाद से ही काफी उत्सुकता देखने को मिल रही है। अब आखिरकार फिल्म टीजर भी रिलीज कर दिया गया है। इसे राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर शेयर किया है।

टीजर में देखा जा सकता है कि एक अंधेरी सुनसान सड़क है। वहीं, एक दीवार पर लिखा है, ओ स्त्री कल आना 2018 इसके आगे कल आना की जगह ओ स्त्री रक्षा करना 2024 लिखा दिखता है।

इसके बाद लिखा आता है, सरकटे का आतंक इसे देखकर

फिर जमेगा पुरानी स्टार कास्ट का रंग

राजकुमार ने फिल्म का टीजर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, एक बार फिर चंदेरी में फैला आतंक।..स्त्री-2 की शूटिंग शुरू हो गई है...वो आ रही है- अगस्त 2024 को। फिल्म की शूटिंग मध्य प्रदेश के चंदेरी शहर में की जा रही है। फिल्म में एक बार फिर से श्रद्धा कपूर ही लीड रोल में नजर आने वाली हैं। इनके अलावा पंकज त्रिपाठी, अपारशक्ति खुराना और अभिषेक बनर्जी भी दिखेंगे।

बॉलीवुड | मसाला

अब अंदाजा लगाया जा रहा है कि फिल्म में इस बार स्त्री नहीं किसी सरकटे के आतंक से शहर कांपने वाला है। अब इस टीजर ने दर्शकों के बीच काफी उत्सुकता बढ़ा दी है। फिलहाल फिल्म की रिलीज डे का ऐलान नहीं हो पाया है, लेकिन फैंस टीजर देखने के बाद पूरी तरह से कंफ्यूज नजर आ रहे हैं। उम्मीद की जा रही है कि पिछली बार की तरह इस बार भी फिल्म अपना जादू चलाने में कामयाब रहेगी।

टमाटर के बढ़ते दाम पर परेशान हुए सुनील शेट्टी

टमाटर के दाम ने इन दिनों महंगाई के सारे रिकॉर्ड्स तोड़ते जा रहे हैं। इससे हर कोई जुझ रहा है। ऐसे में बॉलीवुड के स्टार सुनील शेट्टी भी टमाटर की मंहगाई से परेशान हैं। सुनील कहते हैं, मेरी पत्नी माना केवल एक दो दिनों की सब्जियां ही घर पर लाती हैं। हम फ्रेश वेजिटेबल खाने पर ज्यादा यकीन करते हैं। हालांकि इन दिनों टमाटर का दाम बढ़ता जा रहा है, जिसका असर हमारे घर की किचन पर भी पड़ता है। मैं इन दिनों टमाटर कम खाने लगा हूं। हो सकता है कि लोगों को लगे कि सुपरस्टार है, तो मंहगाई का क्या असर पड़ने वाला है। लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं है, हम भी इन सब चीजों से गुजरते हैं।

सुनील आगे कहते हैं, आप यकीन नहीं करोगी, मैं एक ऐप से सब्जियां मंगाता हूं। जिसके सब्जियों के दाम आप देखोगे, तो हैरान हो जाओगे। उसमें बाकि मार्ट्स व ऐप्स या सब्जी मंडी की तुलना से भी सस्ते में सब्जियां मिलती हैं। हालांकि केवल सस्ता है इसलिए वो ऐप इस्तेमाल नहीं करता हूं बल्कि वो फ्रेश है, प्रोडक्ट कहां से आया है, कौन सी मिट्टी का इस्तेमाल किया गया है, इन सब चीजों की इंफोर्मेशन भी वहां मौजूद होती है। ये सब देखकर मैं संतुष्ट हो जाता हूं और वहीं से ही खरीददारी करता हूं।

बॉलीवुड | मसाला

हमेशा मोल-भाव करता आया हूं

सुनील कहते हैं, ऐसा लोगों को लगता होगा कि हम एक्टर्स इन सब चीजों को लेकर सजग नहीं है बल्कि हमें तो ज्यादा पता है। खासकर मैं तो एक एक्टर के साथ-साथ होटल वाला भी हूं। हर चीज मोलभाव कर ही लेता आया हूं। अगर मंहगाई का ईश्यू है और टमाटर के दाम इतने बढ़ गए हैं, तो मुझे कहीं न कहीं इसके स्वाद से समझौता तो करना होगा न। मैं कर भी रहा हूं।

खंडाला के फार्म हाउस में करता हूं खेती

हालांकि इसके अलावा एक और उपाय का जिक्र करते हुए सुनील बताते हैं, मैंने अपने खंडाला के फार्म हाउस गार्डन में बहुत से प्लानंटेशन कर रखे हैं। मैं कई सब्जियां नैचुरल तरीके से उगाता हूं। संडे को पूरा वक्त मेरा इसकी देखभाल पर जाता है। यकीन मानों लीची, एवोकाडो, टमाटर जैसी कई चीजों का प्लांट रखा है। मैं तो बारिश से जमा पानियों की हार्वेस्टिंग भी करता हूं। मैं वो एक्टर नहीं हूं, जो फिल्म की प्रमोशन के दौरान पर्यावरण को लेकर सजग हो जाता हूं। बल्कि वो हूं, जो बहुत ही देसी तरीके से सिंपल लाइफ जीने पर यकीन रखता है।

अजब-गजब | यहां एक रुपये में भारतीय कर लेगा गुजारा

ये देश जहां यात्रा करने से भारत का गरीब भी बन जाएगा अमीर!

भारत में रहने वाले लोग, जो रुपये कमाते हैं, रुपये खर्च करते हैं, उन्हें पता होगा कि देश में महंगाई का स्तर कैसा है और जीवन की जरूरतों को पूरा करने के लिए कितने रुपयों की जरूरत होती है। जिन लोगों की आमदनी कम होगी, वो ज्यादा रुपये की तमन्ना रखते होंगे, अमीर बनना चाहते होंगे। पर उसी आमदनी में अमीर बन पाना तो मुश्किल होगा। हालांकि, दुनिया में कुछ देश ऐसे हैं जहां अगर भारत का गरीब और निम्न वर्ग का आदमी अपनी अभी की आमदनी के साथ यात्रा करे तो वो अमीर बन जाएगा। आप सोचेंगे कि ये करिश्मा कैसे मुमकिन है। इसकी वजह है उस देश की मुद्रा के सामने भारतीय मुद्रा का ज्यादा मजबूत होता। आज हम आपको दुनिया के उन 10 देशों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां की मुद्राएं भारत से कमजोर हैं और अगर आप भारतीय रुपये लेकर यहां जाते हैं, तो अमीर होने का एहसास करेंगे। ये जगह बेहद खूबसूरत भी हैं तो आप परिवार के साथ छुट्टियों में बजट के अंदर रहते हुए घूमने भी जा सकते हैं। ये खबर लिखे जाने तक मुद्रा का जो मूल्य गूगल पर बताया गया है उसी को इस खबर में मेंशन किया गया है। मुद्राओं का मूल्य समय-

समय पर बदलता रहता है।

श्रीलंका- श्रीलंका भले ही छोटा देश हो, पर बेहद खूबसूरत है और यहां घूमने की कई जगहें हैं। यहां 1 भारतीय रुपये- 3 ।80 श्रीलंकन रुपये के बराबर है। **इंडोनेशिया**- उष्णकटिबंधीय जलवायु, साफ पानी और हरियाली इस देश की खूबसूरती को बहुत ज्यादा बढ़ा देती है। यहां नवविवाहित जोड़ों से लेकर परिवारवाले भी घूमने जाना पसंद करते हैं। 1 भारतीय रुपये- 183.26 इंडोनेशियन रुपिया के बराबर है।

वियतनाम- आजकल भारत के ट्रैवल ब्लॉगर्स के लिए वियतनाम काफी लोकप्रिय ट्रैवल डेस्टिनेशन बन चुका है। 1 भारतीय रुपये- 287.68 वियतनामी डॉन्ग के बराबर होता है।

नेपाल- भारत के बेहद नजदीक नेपाल की यात्रा करना तो काफी आसान है। उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों से तो नेपाल में आसानी से घुसा जा सकता है। इस देश की खूबसूरती से आप जरूर परिचित होंगे। 1 भारतीय रुपये- 1.60 नेपाली रुपये का है। **कंबोडिया**- कंबोडिया का प्राचीन इतिहास, हिन्दू धर्म से जुड़ी मान्यताएं और कई अन्य चीजें यहां प्रचलित हैं। इस देश में जाकर भी भारतीय खुद को अमीर मेहसूस कर सकते हैं क्योंकि यहां की मुद्रा का मूल्य भारतीय मुद्रा की तुलना मे कम है। 1 भारतीय रुपये- 50.11 कंबोडियन रियल के बराबर है।

जापान- जी हां, जापान भी इस लिस्ट में शामिल है। जापान बेहद विकसित देश है और काफी खूबसूरत भी है। पर भारतीय मुद्रा का मूल्य, जापानी मुद्रा के मूल्य से ज्यादा है। 1 भारतीय रुपये- 1.69 जापानी येन के बराबर है।

हंगरी- हंगरी का भव्य वास्तुकला, खूबसूरत नजारे, लोगों को दोस्ताना व्यवहार काफी आकर्षक लगता है। 1 भारतीय रुपये का मूल्य 4.17 हंगेरियन फॉरिंट के बराबर है।

चायवाले का कमाल का आइडिया! चाय पीने के बाद कप खा जाते हैं लोग

अगर कोई कहे- चाय पीने के बाद कप को फेंकने के बजाए उसे खा लीजिए, तो आपको हैरानी होगी। अक्सर सोशल मीडिया में हम अजीबोगरीब चीजें देखते है। ऐसे ही एक अनोखे चीज के बारे में आपको आज बताएगा। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में एक दुकान है जहां लोग चाय पीने के बाद उसके कप को बड़े आनंद से खाते हैं।

दरअसल, जब से प्लास्टिक पर बैन लगा है तब से दुकानदारों की मुसीबत बढ़ गई हैं, लेकिन कहते हैं ना हर आपदा में अवसर ढूंढा जा सकता है। इसी लाइन को सिद्ध करते हुए भोपाल के एक चायवाले ने जुगा? निकाला। उसने ऐसा कप लॉन्च किया जिसे चाय पीने के बाद आसानी से खाया सकता है। खास बात है कि यह कप कई फ्लेवर में मिलते हैं जैसे चॉकलेट, बटरस्कॉच, पाइनएप्पल आदि शामिल है। लोगों के बीच यह इनोवेटिव आइडिया चर्चा का विषय बना हुआ है। इसे काफी पसंद किया जा रहा है। खा सके जाने वाला अनोखा कप प्लास्टिक से बने डिस्पोजल का बेहतर विकल्प है। इससे पर्यावरण को होने वाले नुकसान से भी बचा जा सकता है। साथ ही, चाय पीने के बाद आप बिस्किट की तरह इस कप को बड़े चाव से खा सकते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर 'चाय पियो, कप खाओ' वाला आइडिया लोगों के बीच काफी पॉपुलर हो रहा है। बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक इस कप में चाय पीने, फिर इसे चबा कर खाने के लिए अपनी उत्सुकता जाहिर कर रहे हैं। इस कप में चाय पीने से आपको चाय के कप को बार-बार धोने जैसी समस्याओं से भी छुटकारा मिलता है।

फडणवीस राज्य को दरिद्र बनाने वालों की कर रहे वकालत : शिवसेना यूबीटी

सामना में लिखा-उप मुख्यमंत्री बताएं अजित व भुजबल के दाग धुल गए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस पर हमले का कोई भी मौका छोड़ नही रही हे। उसने महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर तीखा हमला करते हुए उन्हें एक बार फिर 'दागी' करार दिया और आरोप लगाया कि वह राज्य में सांस्कृतिक दरिद्रता लाने वालों की 'ओछी' वकालत कर रहे हैं।

शिवसेना (यूबीटी) ने अपने मुखपत्र 'सामना' में प्रकाशित संपादकीय में फडणवीस से पूछा कि उनकी सरकार में शामिल हुए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता अजित पवार, छगन भुजबल, प्रफुल्ल पटेल और हसन मुशरिफ दागी हैं या बेदाग हैं। प्रवर्तन निदेशालय ने पूर्व में पवार और मुशरिफ के ठिकानों पर धन शोधन के मामलों में छापेमारी की थी। संपादकीय में पार्टी ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना के विधायकों के खिलाफ दर्ज उन मामलों की स्थिति के बारे में भी पूछा जिनकी जांच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कर रहा है। पार्टी ने कहा कि जिन्हें महाराष्ट्र की संस्कृति और परंपराओं के बारे में पता नहीं है वे सत्ता में हैं।

अब अटल जी वाली भाजपा नहीं रही

फडणवीस उनकी ओछी वकालत कर रहे हैं, जो राज्य में सांस्कृतिक दरिद्रता को बढ़ावा दे रहे हैं। इसलिए वह दागी हैं। सामना ने लिखा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अब पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के दौर वाली पार्टी नहीं है और यहां तक उसका वैचारिक मार्गदर्शक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) भी संघ के मूल विचार के साथ नहीं है। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने एक संवाददाता सम्मेलन में फडणवीस पर राज्य में राजनीति के स्तर को नीचे गिराने का आरोप लगाया। संजय राउत सामना के कार्यकारी संपादक भी हैं। राज्यसभा सदस्य ने आरोप लगाया कि राज्य में भ्रष्टाचार बढ़ रहा है

अजित पवार एवं प्रफुल्ल पटेल अमित शाह से मिलेंगे

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में विभागों के बंटवारे को लेकर गतिरोध के बीच राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के वरिष्ठ नेता अजित पवार और प्रफुल्ल पटेल केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह तथा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शीर्ष नेताओं के साथ बैठक के लिए बुधवार शाम यहां पहुंचे। राकांपा के कार्यकारी अध्यक्ष पटेल ने यहां पत्रकारों से बातचीत में महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ भाजपा-शिवसेना-राकांपा गठबंधन में दरार की अटकलों को खारिज कर दिया और कहा कि विभागों के आवंटन के मुद्दे को सुलझा लिया गया है तथा एक-दो दिन में राज्य में मंत्रिमंडल विस्तार हो जायेगा। यह पूछे जाने पर कि क्या राकांपा केंद्र सरकार में शामिल होगी, पटेल ने कहा, ''हमने किसी केंद्रीय मंत्रालय की कोई मांग नहीं रखी है।''

फोटो : 4पीएम

ध्वस्तीकरण अमीनाबाद के बीएन रोड पर जर्जर बिल्डिंग को नगर निगम ने बुलडोजर से गिरवाया।

भाजपा अनंतराय को भेज सकती है राज्यसभा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। ग्रेटर कूच बिहार राज्य बनाने की मांग कर रहे अनंत राय महाराज ने केंद्रीय गृह राज्य मंत्री निशीथ प्रमाणिक के साथ मुलाकात की। बैठक के बाद उन्होंने कहा कि भाजपा द्वारा उन्हें राज्यसभा टिकट की पेशकश की गई है।

कूच बिहार सांसद और भाजपा नेता निशीथ प्रमाणिक ने गेटर कूच बिहार पीपुल्स एसोसिएशन के नेता से उनके आवास पर बैठक की, जो करीब एक घंटे चली। इसके बाद सांसद के साथ अनंत ने बैठक की और कहा कि मुझे राज्यसभा का प्रस्ताव दिया गया है। मैं इसके विरोध में नहीं हूं। प्रमाणिक का कहना है कि अगर उनके जैसे लोग राज्यसभा में जाएंगे तो इससे पूरे राज्य को फायदा मिलेगा। हम चाहते हैं कि जनता के विकास के लिए काम करने वाले महाराज जैसे नेताओं को राज्यसभा भेजा जाए।

पश्चिम बंगाल की कुल सात राज्यसभा सीटों पर 24 जुलाई को मतदान होंगे, जिनमें से छह टीएमसी के खाते में जाएंगी तो एक सीट भाजपा के खाते में आएगी। साथ ही पश्चिम बंगाल की एक सीट पर उपचुनाव भी होना है। अब यह देखना होगा महाराज को राज्यसभा भेजा जाता है या फिर उपचुनाव में टिकट दिया जाता है। अनंत जीसीपीए के प्रमुख हैं।

कांग्रेस पार्टी में कई प्रतिभावान उम्मीदवार : चड्ढा

- कमलनाथ का सर्वे ही तय करेगा किसे मिलेगा टिकट
- इतने बुरे दिन एमपी के लोगों ने कभी नहीं देखे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंदौर। मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव आने वाले हैं और टिकट को लेकर दावेदारी भी बढ़ती जा रही है। इस बीच इंदौर के नए शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुरजीत सिंह चड्ढा ने बताया की कांग्रेस से टिकट पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ द्वारा करवाए गए सर्वे के आधार पर ही मिलेगा। उन्होंने कहा कि हर विधानसभा में कई लोग टिकट की दावेदारी कर रहे हैं और यह अच्छी बात भी है। कांग्रेस एक बड़ी पार्टी है और उसमें अधिक दावेदार होना स्वाभाविक बात है। कई लोग योग्य और प्रतिभावान हो सकते हैं लेकिन टिकट किसे मिलेगा यह कमलनाथ द्वारा किए गए सर्वे के आधार पर ही तय होगा।

सुरजीत सिंह चड्ढा ने कहा जनता महंगाई और बेवकूफ बनाने वाली योजनाओं से परेशान हो चुकी है। आज आम आदमी के लिए सब्जी खरीदना भी मुश्किल होता जा रहा है। इससे बुरा दिन मध्यप्रदेश में लोगों ने कभी नहीं देखा। आदिवासियों पर अत्याचार हो रहे हैं और उसे पूरे प्रदेश की जनता देख रही है। गुंडागर्दी चरम पर है, व्यापारी परेशान हैं और सरकार इवेंट मैनेजमेंट में लगी है। जरूरतमंद लोगों की जरूरतों को दरकिनार किया जा रहा है। अब यही लोग विधानसभा चुनाव में भाजपा को आईना दिखा देंगे।

सुरजीत सिंह चड्ढा ने बताया कि विधानसभा चुनाव के लिए वार्ड स्तर पर टीमें बनेंगी। इसमें युवाओं और महिलाओं को भी शामिल किया जाएगा। कांग्रेस के कार्यकर्ता घर-घर जाकर दस्तक देंगे और भाजपा सरकार में हुए अत्याचारों की जानकारियां आम जनता तक पहुंचाएंगे। इसके साथ कांग्रेस द्वारा की जाने वाली घोषणाओं और योजनाओं के बारे में भी जनता तक जरूरी जानकारियां पहुंचाई जाएंगी।

ज्ञानेश्वरी ने भारोत्तोलन में उठाया सोने का भार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। स्टार भारोत्तोलक मीराबाई चानू की गैरमौजूदगी में ज्ञानेश्वरी यादव ने यहां राष्ट्रमंडल भारोत्तोलन चैंपियनशिप की महिला 49 किग्रा स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर घरेलू दर्शकों को जश्न मनाने का मौका दिया। छत्तीसगढ़ की 20 साल की ज्ञानेश्वरी ने स्नैच और क्लीन एवं जर्क दोनों वर्ग में अपना निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। उन्होंने कुल 176 किग्रा (78 किग्रा और 98 किग्रा) वजन उठाकर शीर्ष स्थान हासिल किया।

पिछले साल अक्टूबर में एशियाई चैंपियनशिप में ज्ञानेश्वरी को पछाड़ने वाली हमवतन झिली डालबेहड़ा ने इस बार भी उन्हें कड़ी चुनौती दी। झिली ने 169 किग्रा (75 किग्रा और 94 किग्रा) वजन उठाकर पिछली बार की तरह रजत पदक जीता। ज्ञानेश्वरी ने कहा किमुझे ना केवल प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करने बल्कि अपने देश के लिए स्वर्ण पदक जीतने की भी खुशी है। प्रतियोगिता से पहले मैं अच्छा महसूस नहीं कर रही थी। मुझे उल्टी आ रही थी।'' स्पर्धा के दौरान 49 किग्रा वर्ग में मीराबाई और अन्य भारतीय भारोत्तोलकों के बीच का अंतर साफ दिखा। मणिपुर की इस भारोत्तोलक ने तोक्यो ओलंपिक के 49 किग्रा वर्ग में 202 किग्रा (87 किग्रा और 115 किग्रा) वजन उठाकर रजत पदक जीता था। मीराबाई ने तोक्यो ओलंपिक में बुधवार को स्नैच में ज्ञानेश्वरी के प्रयास से 10 किग्रा अधिक जबकि क्लीन एवं जर्क में 21 किग्रा अधिक वजन उठाया था। उम्मीद के मुताबिक प्रतियोगिता में भारतीय भारोत्तोलकों का दबदबा रहा। मेजबान ने पहले दिन युवा, जूनियर और सीनियर वर्ग में 19 पदक जीते। पुरुष 55 किग्रा वर्ग में दो भारोत्तोलकों के बीच मुकाबला रहा।

जूनियर वर्ग में मुकुंद अहेर चैंपियन

भारत के मुकुंद अहेर चैंपियन बने। जूनियर वर्ग में भी चुनौती पेश कर रहे मुकुंद ने 239 किग्रा (106 किग्रा और 133 किग्रा) वजन उठाया जबकि बांग्लादेश के मोहम्मद अशिकुर रहमान ने 207 किग्रा (92 किग्रा और 115 किग्रा) वजन उठाकर रजत पदक जीता। सीनियर वर्ग में महिलाओं का 55 किग्रा एकमात्र स्पर्धा रही जिसमें भारत ने स्वर्ण पदक नहीं जीता। सोलोमन आइलैंड की जेनली तेगु ने 189 किग्रा (83 किग्रा और 106 किग्रा) वजन उठाकर स्वर्ण अपने नाम किया। भारत की श्रावणी दास ने 181 किग्रा (81 किग्रा और 100 किग्रा) वजन उठाकर रजत पदक जीता। वह अगर क्लीन एवं जर्क के अपने अंतिम प्रयास में 109 किग्रा वजन उठाने में सफल रहती तो स्वर्ण पदक जीत लेती। ऑस्ट्रेलिया की 17 साल की क्लो पर्किन्स ने 152 किग्रा (66 किग्रा और 86 किग्रा) वजन उठाकर कांस्य पदक जीता।

अवध अपार्टमेंट के बेसमेंट पर भाजपा नेताओं का अवैध कब्जा

अलाया जैसे हादसे का खतरा, लखनऊ विकास प्राधिकरण मौन परिसरवासियों ने लगाई न्याय की गुहार, सीएम को लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण फिर एक बार अलाया अपार्टमेंट जैसे बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है। आलम यह है कि यह अपार्टमेंट कभी विकास प्राधिकरण का सबसे उम्दा बिल्डिंगों में गिना जाता था पर अब अवैध निर्माण ने उसकी खूबसूरती को दाग तो लगा ही रहे हैं वहां पर रहने वाले लोगों की जान को खतरे में डाल दिया है। वहां के वाशिंदों ने मंडलायुक्त को पत्र लिखकर शिकायत की है।

सबसे बड़ी बात है कि वह अवैध कब्जा भाजपा से जुड़े रसूखदार नेताओं ने कर रखी है। वाक्या गोमती नगर के अवध अपार्टमेन्ट विपुल खण्ड-1 का है। अवैध निमार्ण के-ब्लॉक में किया गया है जहां 32 फ्लैट हैं। इस बिल्डिंग को लखनऊ विकास प्राधिकरण 25 साल पहले बनाया था। इसमें ज्यादातर वरिष्ठ नागरिक निवास करते है।

लॉन-फ्लैट के फ्रंट तक पर किया अतिक्रमण

के-ब्लॉक के भवन संख्या-2 के भवन स्वामी वर्तमान में भारतीय जनता पार्टी से जुड़े हुए हैं। उनका बड़ा राजनैतिक रसूख है। उनके द्वारा ब्लॉक के बेसमेंट के 50 प्रतिशत भाग पर अवैध कब्जा कर लिया गया है। वे दोनों निजी उपयोग के लिए लम्बी अवधि से उसका उपयोग कर रहे हैं। इतना ही नहीं बेसमेन्ट में उन्होंने पक्का निर्माण तक करा लिया है। वहां के लोगों ने कहा है इसकी वजह से अपार्टमेन्ट के-ब्लॉक को खतरा उत्पन्न हो गया है उनका कहना है कि वहां दुर्घटना होने की सम्भावना बढ़ गई है। भवन स्वामी ने फ्लैट के अग्र भाग में भी गैर-कानूनी रूप से पक्का कमरे का निर्माण कराया है, जिसके कारण उनके निकटस्थ फ्लैटों की सुरक्षा पर खतरा बढ़ गया। साथ ही धूप , जल निकास जैसी सुविधाओं में भी व्यवधान उत्पन्न हो गया है।

इन दबंगों ने लॉन में अवैध अतिक्रमण कर लिया है। बिना सक्षम स्तर से अनुमति लिये बिना 8-10 बड़े पेड़ों को कटवा कर पक्के निर्माण करवा लिये है। वहां पर लोहे की रेलिंग लगाकर बड़े भाग को अपने निजी उपयोग के लिए घेर लिया है। वर्तमान में बचे हुए खाली स्थान पर लोहे की एक विशाल छतरी लगाई जा रही है।

सुरक्षाकर्मी करते हैं दुर्व्यवहार

चूंकि भवन स्वामी एक जन प्रतिनिधि है। उनको सरकार से सुरक्षा मिली हुई है। लान में सुरक्षाकर्मी रहते हैं, जिनके भय से कोई भी परिसरवासी बेसमेन्ट में एवं लॉन के उस भाग में प्रवेश नहीं कर सकता। प्रवेश का प्रयास करने पर सुरक्षाकर्मियों द्वारा परिसरवासियों से दुर्व्यवहार किया जाता है। कई बार इस संबंध में भवन स्वामी से स्थानीय लोगों से शिकायक की पर उन्होंने अनुसना कर दिया। इसके सम्बंध मे परिसरवासियों द्वारा जब सोसाइटी से अनुरोध किया गया तो उसके द्वारा नोटिस दी गई किन्तु कोई कार्यवाही करने की बजाए अतिक्रमण की स्थाई एवं अस्थाई गतिविधियों को और बढ़ा दिया गया। लोगों ने कहा भवन स्वामी राजनैतिक रूप से शक्तिशाली है इसलिए वे आम जन के सामान्य अधिकारों को कुचल देना अपना अधिकार समझ रहे है। हम इस विषय में परिसर वासियों ने मंडलायुक्त से न्याय की अपेक्षा की है। लोगों ने अनुरोध है कि सोसाइटी के परिवारों की जान एवं माल की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए अवैध कब्जे हटवाने व वर्तमान में जारी निर्माण कार्य को रुकवाने की कृपा की जाए। परिसर वासियों ने इसकी शिकायत मुख्यमंत्री , प्रमुख सचिव गृह, आवास, मंडलायुक्त लखनऊ, कमिश्नर लखनऊ पुलिस, डीएम लखनऊ व लविप्रा के उपाध्यक्ष को भेजा है।

दिल्ली में जल प्रलय से सब ठप

यमुना का जल स्तर लगातार बढ़ रहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुरूवार को कहा कि यमुना का जल स्तर लगातार बढ़ने की वजह से नदी के आसपास की सड़कों पर पानी आ गया है। केजरीवाल ने ट्विट कर आज कहा ''यमुना का जल स्तर लगातार बढ़ रहा है। अब पानी 208.46 मीटर पर पहुँच गया है। जल प्रलय से वहां पर सब ठप हो गया है।

बढ़ते हुए जल स्तर के कारण, यमुना के आस पास की सड़कों पर आ गया है। सीएम ने लोगों से अनुरोध है करते हुए कहा है कि इन रास्तों पर ना जायें। जिन आबादी वाले इलाक़ों में पानी भरा है, वहाँ से लोगों को हटा रहे हैं। वहाँ रहने वालों से अनुरोध है कि प्रशासन का सहयोग करें। सभी दिल्ली वालों से अपील है कि इस आपातकाल स्थिति में एक दूसरे का हर संभव सहयोग करें। वहीं इसके साथ ही केजरीवाल ने बाढ़ के पानी से घिरे इलाकों में स्कूल बंद करने की घोषणा की।

केजरीवाल ने गृह मंत्री शाह को लिखी चिट्ठी

बढ़ते जलस्तर और बाढ़ से हालात के बीच के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को चिट्ठी लिखी है। दिल्ली में तीन दिन से बारिश नहीं हुई, फिर भी यमुना का स्तर बढ़ रहा है। ऐसा हथिनीकुंड से लगातार पानी छोड़ने की वजह से हो रहा है। उन्होंने अपील की कि वहां से सिमित स्तर पर पानी छोड़ा जाए, जिससे यमुना का जलस्तर और न बढ़े। दिल्ली में टी-20 शिखर सम्मलेन होना है, ऐसे में अगर में बाढ़ आई तो दुनिया में अच्छा संदेश नहीं जाएगा।

हिमाचल में यूपी के 12 लोगों की मौत

लखनऊ। हिमाचल प्रदेश में बाढ़, अतिवृष्टि के कारण वहां फंसे यूपी के लोग सुरक्षित हैं। प्रदेश में बीते 24 घंटे में प्राकृतिक आपदा से 12 लोगों की मौत हुई है। सात जिलों में 30 एमएम से अधिक वर्षा हुई है। हिमाचल प्रदेश में बाढ़ और अतिवृष्टि में फंसे यूपी के लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए राहत विभाग ने कवायद शुरू की है।

हिमाचल में फंसे सात लोग सुरक्षित हैं। जबकि तीन लोगों से संपर्क नहीं हो सका। राहत आयुक्त के अनुसार हिमाचल प्रदेश में बाढ़, अतिवृष्टि के कारण वहां फंसे यूपी के लोग सुरक्षित हैं। राहत विभाग के कंट्रोल रूम को देवरिया की प्रियंका ज्योति, वाराणसी की रति, गाजियाबाद के हेमंत शर्मा, जालौन के कन्हैया, शाहजहांपुर की अर्चना, लखनऊ के परवेश और बदायूं के पंकज भी सुरक्षित हैं। मेरठ के आर्यन त्यागी, लखनऊ के मो. शारिक, लखनऊ की आयुशी गोयल और बलरामपुर के अभय गौतम वापस लौट रहे हैं। कानपुर नगर के शिवांग, लखनऊ की आयुष तिवारी, और सीतापुर के गौरव श्रीवास्तव से संपर्क नहीं हो सका है। चंदौली में आकाशीय बिजली गिरने से 85 भेड़ों की मौत हो गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मामले में संज्ञान लेते हुए संबंधित भेड पालकों को चार हजार रुपये प्रति भेड़ की दर से सहायता राशि तुरंत देने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने आकाशीय बिजली गिरने से आहत परिवारों को हर संभव सहायत देने के निर्देश दिए हैं।

फोटो: सुमित कुमार

नियुक्ति पत्र उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग एवं उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा चयनित 199 समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी (सचिवालय प्रशासन विभाग), 183 कनिष्ठ सहायक (परिवहन विभाग) एवं 128 कनिष्ठ सहायक (निर्वाचन विभाग) (कुल 510) को नियुक्ति पत्र वितरित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

ग्रेटर नोएडा में लगी भीषण आग, कई लोग फंसे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा बिसरख कोतवाली क्षेत्र में स्थित गैलेक्सी प्लाजा में आग लगने की जानकारी सामने आ रही है। गैलेक्सी प्लाजा में आग लगने से कई लोग अंदर फंसे हुए हैं। कुछ लोगों ने बिल्डिंग में आग लग जाने के बाद खुद की जान बचाने के लिए बिल्डिंग से छलांग लगाई।

जान बचाने के लिए लोगों ने बिल्डिंग से लगाई छलांग

वहीं प्लाजा में आग लगने की जानकारी मिलने की बाद फायर विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर गई है। फायर विभाग की टीम आग पर काबू पाने की कोशिश कर रही है। वहां से कुछ वीडियो भी वायरल हो रहे हैं। पूरे परिसर में अफरातफरी मची हुई है। वायरल वीडियो में एक व्यक्ति तीसरी मंजिल पर फंसा हुआ था। उसे लोगों ने कहा कि कूद जा... कूद जा... वह व्यक्ति कूद गया। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है अंदर कितना भयावह स्थिती होगी।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।